RAJYA SABHA

Tuesday, the 9th March, 1982/18th, *Phalguna,* 1903 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman in the chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Vayudoot Air Service

♦221. DR. LOKESH CHANDRA: f
SHRI ROSHAN LAL;

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the names of the cities covered by the Vayudoot air service till December, 1981;

(b) the passenger-load in the Vayu-doot services in operation during 1981-82; and

(c) the cities proposed to be covered by the services in 1982-83?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHR A. P. SHARMA): (a) Gauhati, Barapani, Kailashahar, Agartala, Kamalpur, Rupsi, Dibrugarh and Tezu.

(b) The average passenger load factor of Vayudoot services for the period 26-1-81 to 31-12-81 was approximately 30 per cent.

(c) Vayudoot services are being extended in phases to other parts of the country. In the first phase the following 23 stations are proposed to be connected:

Cuddapah, Rajamundry, Warangal, Jamshedpur, Gaya, Muzaffarpur, Purnea, Raichur, Hubli, Calicut, Bilaspur, Jagdalpur, Nanded, Rour-kela, Ludhiana, Kota, Bikaner, Jaisal-mer,' Thanjavur, Dehradun, Ghazipur, Pantnagar, Rae Bareli.

Ludhiana has already been connected by Vayudoot services effective 4-3-82. The airlinking of the rest of the places would depend upon the local aerodrome becoming operational, selection of suitable aircraft and other related factors.

fThe question was actually asked on the floor of the House by Dr. Lokesh Chandra.

SHRI ARVIND GANESH KUL-KARNI: What happened to Kolha-pur?

नाम लेने से डरते हैं

श्री सभापति : भाई, जरा ठहरो तो ।

डा० लोकेश चन्द्र : माननीय मंत्री जी क्या यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या पिछले वर्ष वायुदूत को 58 लाख रुपये का घाटा हुआ क्योंकि उसका यात्री भार केवल 30 प्रतिशत था, जबकि वर्तमान विमानों को पूरा-पूरा वित्तीय भार उठाने के लिए पूरा-पूरा भरा हुआ जाना चाहिये । इसको ध्यान में रखते हुए क्या आप नये विमान लेंगे और इन नये विमानों को लेने के लिए मेनन कमेटी ने किन-किन विमानों का सुझाव दिया हैं और इनमें से कौन सा ऐसा विमान है जो 30–40 प्रति-शत यात्री भार के ऊपर बिना घाटा किये हुए चल सकता है ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति महोदय, घाटे के कई एक कारण रहे हैं और एक तो यह है कि जहां पर जो वायु सेवा चलाई जाती है, उसको हफ्ते में अभी दो दिन चलाते हैं । तो हम सोच रहे हैं और इन बातों पर विचार भी किया है कि जो-जो घाटे के कारण हैं, उन कारणों को दूर किया जाये । उसमें से एक जो दो दिन हफ्ते में चलता है, उसको और ज्यादा बढ़ाने की बात भी सोची जा रही है जिससे घाटे को कम किया जा सकता है ।

जो नये हवाई जहाज हम लेंगे, उन हवाई जहाजों के नाम इस तरह से हैं, चोरनियर, टूविन, ओटर, कासा, स्काईवान । इन चारों के लिये जो कमेटी डिफेंस सैक्रेटरी की अध्यक्षता में बनी हुई है, वह बातचीत कर रही है और शीघ्र ही यह तय हो जाएगा कि इन चारों में से कौन से हवाई जहाज लिये जायेंगे ।

मुझे आशा है कि जब यह नये जहाज लिये जायेंगे और इनमें चलाने का खर्चा कम होगा ओवरआल एक्सपेंस, तो फिर हम घाटे की पूर्ति कर सकेंगे ।

डा० लोकेश चन्द्र : जो नये विमान लिये जायेंगे, उनकी घाटे की सम्भावनाओं की कमी को देखते हुए जहां एक ओर निश्चय किया जाएगा, वहां क्या यह भी ध्यान में रखा जाएगा कि यह देश में बन सकें । आपने जिन नगरों को 1982-83 से वायुदूत सेवा के अन्तर्गत लेने का निश्चय किया है, इसमें राज्यवार क्या स्थिति है ? क्या आप सब राज्यों में ये विमान चलायेंगे, या केवल कुछ राज्यों में ? मैं देखता हूं कि इसमें बिहार को आवश्यकता से अधिक प्रमुखता दी गई है ।

श्री योगेन्द्र शर्मा : बोखारो में क्यों नहीं करते हैं । वहां भी होना चाहिये ।

श्री मनुभाई पटेल : अरे मिनिस्टर बेचारे को क्या कहते हो ? रेलवे मिनिस्टर हुआ तो अपने स्टेट को रेलवे देता है । अगर इन्होंने दिया तो क्या हार्म है ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति महोदय, इस में हर राज्यों का ख्याल रखा गया है और उसी ख्याल को रखते हुए यह अभी वर्तमान चरण में, फर्स्ट फेज में, ये 23 जगहों का अभी चयन किया गया है । चयन करते वक्त इस बात का ध्यान रखा गया है कि अभी जो मौजूदा रनवे की स्थिति है, उस स्टेट में जो रनवे जिस जगह पर अभी तुरंत हवाई जहाज चलाने के लायक है, उन पर हम चलाने का फैसला कर रहे हैं । हमारे मित्र ने कहा कि बिहार में कुछ ज्यादा जगहों के नाम इसमें हैं, स्थिति यह है सभापति महोदय, कि बिहार में इस के अलावा भी बहुत सी जगहें हैं जहां रनवे की स्थिति अच्छी है जहां हम चालू कर सकते हैं लेकिन. . . (**व्यवधान**) . . . गुजरात में ऐसा नहीं है, और राज्यों में एसा नहीं है, वहां पर हम रनवे को ठीक करा के फिर सेकेंड फेज में चलाने की बात कर रहे हैं । यह बात नहीं है कि बिहार को दृष्टिकोण में रख कर वहां ज्यादा या कम किया गया है । मेन आधार, मुख्य आधार है जो फैसले का वह यह है कि कितनी ऐसी जगहें रनवे लायक हैं जहां हम तुरंत, बगैर बहुत बड़े काम किये, छोटे-मोटे सुधार करके, हवाईजहाज चला सकते हैं ।

श्री योगेन्द्र शर्मा : मैंने पूछा कि बोखारो में क्यों नहीं करते हैं, वहां तो है रनवे ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : हमारे दोस्त जो कह रहे हैं रनवे है, मैं कहता हूं बिहार में और ज्यादा रनवे ऐसे हैं जहां हम चला सकते हैं लेकिन इस बात को ध्यान में रखते हुए कि एक बेलेन्स्ड पोजिशन हो इस सेवा के चलाने में और राज्यों के साथ इसका विचार करके फैसला किया है —किसी राज्य में एक का किया है किसी राज्य में दो का किया है, किसी में तीन का किया है । उसको करने में मुख्य फैसला यह लिया है कि कहां-कहां रनवे ठीक है ।

एक बात और रह गई, उन्होंने जो बताया कि . . .

डा० लोकेश चन्द्र : चयन के समय क्या विमान की स्वदेश में बनाने की क्षमता की ओर ध्यान रखा जाएगा ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जो हम नए हवाई जहाज का चयन कर रहे हैं इस के साथ-साथ यह प्रश्न भी संबंधित है कि जिस हवाई जहाज का हम चयन करेंगे, संबद्ध कंपनी के साथ हमारा कोलोबोरेशन होगा और हम उस तरह के हवाई जहाज देश में बना सकेंगे और अपनी आवश्यकता से ज्यादा बनायेंगे तो हम दूसरे पड़ोसी देशों को भी बेच सकते हैं ।

SHRI J. K. JAIN: Sir,...

SHRI B. IBRAHIM; Sir....

SHRI ROSHAN LAL: Sir,...

MR, CHAIRMAN: Just, a minute. I will call people as I like. I am sorry Mr. Roshan Lai, Please put your question.

श्री रोशन लाल : मैं वजीरे मौसूफ से यह पूछना चाहता हूं और यह बहुत खुशी की बात है आपने बड़े अच्छे हिसाब से बतलाया कि सब स्टेटों को रखा गया है, उनका ध्यान रखा गया है, अभी हाल मुझे एजोल और नार्थ ईस्टर्न स्टेट में जाने का इत्तफाक हुआ, मैं जानना चाहता हूं एजोल का जो एयर स्ट्रिप है वह इस काबिल है कि उस थोड़ा सा और रुपया लगाने के बाद एक हवाई-अड्डा बन सकता है, और अलावा इसके हमारे हिमाचल प्रदेश में शिमला में भी काम चल रहा है—आप को मेहरबानी से इस काम को शुरु किया था लास्ट ईयर—तो कब तक यह हवाई जहाज के लिए अड्डा तैयार हो जाएगा ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभा पति महोदय, जहां तक शिमला का सवाल है वहां तो अभी हवाई अड्डा, यानी रनवे, बनाने का काम आरम्भ हुआ है। अभी तो जो लैंड है वह पहाड़ी के ऊपर है, उस को हम लेवल-आउट कर रहे हैं उस के बाद रनवे बनने की बात होगी और उस में कुछ देर लगेगी क्योंकि जब तक नया रनवे बन रहा है और जब तक वह बन कर तैयार नहीं होगा तब तक शिमला में हवाई सेवा आरम्भ नहीं की जा सकती है. . .

श्री रोशन लाल : और मीजोरम, एजोल ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : उधर नार्थ ईस्टर्न रीजन में कई-एक ऐसे स्थान है जहां पर कि हम रनवे को मजबूत कर रहे हैं, या बनाने का काम करने जा रहे हैं वहां भी, मुझे लगता है, करीब-करीब एक साल लग जाएगा।

श्री सभापति : सारे मैम्बरान एक साथ उड़ान भरना चाहेंगे और यह भी चाहेंगे कि गेंहू के खेत में भी हवाई जहाज उतार दिया जाए, तो वह कैसे होगा. . . (व्यवधान)

SHRI B. IBRAHIM; Mr. Chairman I congratulate the hon. Minister for having included Hubli and Raichur ire. Karnataka State in the list. I would like to know when exactly the work is going to be completed as fa- as these two places, Hubli and Raichur are concerned,

SHRI A. P. SHARMA: Sir, Hubli and Raichur are in the list of stations identified for this Vayudoot service. But in the present position of operation, it is going to be taken up in course of time.

SHRIMATI MONIKA DAS; Sir, I am very much pleased to know that hon. Minister just now declared that Hubli is going *to* be considered, i want to know when they are going to start this service. As the hon. Minister knows, land is ready there already and it should not be difficult to start the construction work there, because it is not like Simla or other hilly areas and I hope a timebound programme should be there f°r starting the Vayudoot service to this place.

MR. CHAIRMAN; Didn't you hear the reply to the first question that you have to have the aeroplanes also?'

SHRI A. P. SHARMA; Sir, about Hubli, I would say that there is net-aerodrome at present. We have to construct it first and it would cost nearly Rs. 5.39 crores. As regards Raichur, there is a State Government's aerodrome and we have to carry out extensive repair work which would cost about Rs. 1 crore; and 4 lakhs. After these repairs works are carried} out and new aerodrome is constructed; we can only then start this service for Raichur and Hubli.

SHRIMATI USHA MALHOTRA: Will the hon. Minister be pleased to state whether he knows that the work at Simla as regards the airstrip is concerned, is almost complete and whether they will start air service by April so that we can get tourist traffic also? Secondly, I would like to know whether the Government intends reimbursing the cost of construction that has been incurred in the construction of this air-strip which was agreed to by the Government and if so, when it is going to be reimbursed.

MR. CHAIRMAN; Have we to exhaust all the citias in India?

SHRI A. P. SHARMA; So far as the service to Simla is concerned, it is not possible unless the runway and the airport are completed. The State Government has started the work. As far as reimbursement of the money is concerned, I may inform the hon. lady Member that the Chief Minister of Himachal Pradesh has already written to us and the matter is under the consideration of the Government.

श्रीमती मनोरमा पाण्डेय : श्रीमन्, माननीय मंत्री जी ने अभी बिहार के बारे में बताया कि रांची, मुजफ्फरपुर, गया और जमशेदपुर को फर्स्ट फेज में हवाई जहाज चलाने का प्रोग्राम है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि क्या मुजफ्फरपुर, गया, रांची, जमशेदपुर और रुड़केला को जनवरी 1982 में ही ये हवाई जहाज चलाने की योजना थी और क्या डी० जी० सी० ए० के द्वारा इसकी जांच करा ली गई है और अगर करा ली गई है तो कब तक ये वायुयान चलाने की व्यवस्था की जाएगी ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मेरी राय तो यह है कि मार्च के महीने के अन्दर अन्दर ये जिन जगहों का नाम लिया गया है, 23 स्टेशन जो बताये गये हैं, हम सब जगह इस सेवा को चालू कर देंगे।

जहां तक माननीय सदस्य ने तीन चार जगहों का नाम बिहार में बतलाया है वहां पर रनवे की स्थिति ऐसी हैं; मैंने पहले ही बताया, कि जहां हम लैंड कर सकते हैं वहां शीघ्र ही—तारीख में नहीं, बता सकता हूं लेकिन हम चाहते हैं कि मार्च के अन्दर-अन्दर इन तमाम जगहों में इस सेवा को चालू कर दें। तो हम इस बात की कोशिश कर रहे हैं। हो सकता है हफ्ते दो हफ्ते के अन्दर जिन जगहों का नाम आपने बताया है, जमशेदपुर रुड़केला बिहार में नहीं है, उड़ीसा में है—इसलिए इस सब जगहों में अगले सप्ताह या दूसरे सप्ताह में चला सकते हैं।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : अब यू० पी० की बारी है।

श्री सभापति : सारे हिन्दुस्तान में खुदा के फजल से बहुत से स्टेट्स हैं।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : बिहार के बगल में तो यू० पी० ही है।

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: Sir, the hon. Minister, while replying to many hon. Members, has said that wherever the airstrip is available, in those places, the Vayu-doot service will operate. Then, he read out a long list of identified sites where the Vayudoot service is going to be operated in the coming year. Now, the name of Hubli has been mentioned. Here, the construction work is yet to be started.

MR. CHAIRMAN: Rs. 5.39 crores is the estimated expenditure.

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI; Now, Sir, in Kolhapur, land has already been acquired and it has been handed over to the Civil Aviation Department. At present, smaller aircraft land at Kolhapur and near

Karad there is a Government airstrip, where, defence aircraft and VIP aircraft are landing. Leave aside Kolha-pur. Why don't you consider the case of Karad, which will also benefit the entire Deccan territory? Here, instead of your Vayudoot service, you can operate a regular service on the Bombay-Pun'o-Karad-Belgaum line. You should consider the case of at least Karad, where Air Force planes are landing; Boeings are landing. Why don't you consider this place as an alternative site to Kolhapur? Would you please oblige us?

SHRI A. P. SHARMA: Sir, in Maha rashtra, according to the Gidwani Committee, three places have been identified, namely, Ratnagiri, Kolha pur and Nanded. These are the places in the list where w_e intend to operate this Vayudoot service. Now Sir, he has made a suggestion...........

SHRI ARVIND GANESH KUL-KARNI: It is not a suggestion. The airstrip is already there.

SHRI A. P. SHARMA: He ha_s m&de a suggestion. But this is not within the indication that I have given so far ag the operation of Vayudoot service is concerned. But I will examine his suggestion, whether it is possible to cover it either by Vayudoot or by Indian Airlines. We will consider this suggestion.

श्री. मनुभाई पटेल : सभापति जी, मैं ने बिहार के बारे में जो कहा था वह तो बिहार के बारे में आदरणीय मंत्री जी का समर्थन ही किया था, उनका विरोध नहीं किया था। मैंने तो कहा था कि बिहार में ऐसी एतिसाहिक जगहें हैं कि जहां महान पुरुष पैदा हुए हैं और उस कारण वहां इंटरनेशनल टूरिस्ट आते हैं। तो मैं उसके लिये कोई एतराज नहीं करता। वायुदूत का आकर्षण मेरे सामने इस लिये रहा कि यह मुझे मेघदूत के करीब लगता है। लेकिन वह आकर्शण रहेगा तभी जब कि यह रेल की परम्परा अपना कर यमदूत न बन जाये।

श्री सभापति : यह तो एयर स्ट्रिप का क्वेश्चन है, पोयेट्री का नहीं।

श्री मनुभाई पटेल : इसी लिये कह रहा हूं कि यह यमदूत न बने, वायुदूत ही रहे, तभी तक उसका आकर्षण है और आपने कहा कि जहां एयर स्ट्रिप्स हैं वहां वायुदूत सर्विसेज जाती हैं, तो गुजरात में भावनगर में, पोरबन्दर, राजकोट, अहमदाबाद और बड़ौदा तो बम्बई के साथ जुड़ा हुआ है और अहमदाबाद दिल्ली के साथ जुड़ा हुआ है, दूसरे किसी के साथ जुड़ा हुआ नहीं है। लेकिन सूरत एक ऐसा शहर है कि जो इंडस्ट्रियली ऊपर उठ रहा है और उसका कनेक्शन किसी के साथ नहीं है। उसका संबंध बम्बई, अहमदाबाद या दिल्ली के साथ नहीं है और वहां एयर स्ट्रिप है। तो मैं मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि क्या वह अपनी लिस्ट में सूरत का नाम ऐड करेंगे ताकि उसका संबंध दूसरे नगरों से हो सके? यदि नहीं कर सकते तो क्या सभापति महोदय आप की इजाजत से मैं याद दिलाऊं कि गुजरात गवर्नमेंट ने जब बड़ौदा में बोइंग का उद्घाटन किया था तो मैं वहां हाजिर था और उस वक्त वहां के फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा था कि हम लोग इस के लिये आर्थिक सहायता देने के लिये तैयार हैं और खर्च में शेयर करने के लिए तैयार हैं। तो इस बारे में मंत्री जी की प्रतिक्रिया क्या है यह मैं जानना चाहता हूं और यदि यह न भी हो तो जहां-जहां वायुदूत की मांग है और जहां एयर स्ट्रिप भी है और वहां के लिये केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारें सेवा देने में असमर्थ है और कोई प्र ईवेट कम्पनी वह सेवा देने के लिए तैयार है तो उस के बारे में क्या मंत्री जी कुछ सोचेंगे।

श्री सभापति : यह उस में नहीं आता ।

श्री मनुभाई पटेल : आता है वायुदूत सेकिन्ड लाइन है तो क्यों न करें ।

एक माननीय सदस्य : थर्ड लाईन है ।

श्री मनुभाई पटेल : थर्ड लाईन है तो क्यों न करें ? फोर्थ लाइन भी क्रिएट कर सकते हैं इन्टर-कनेक्टिंग सिटीज के लिए पन्त नगर को, जहां आलरेडी स्ट्रिप है, जहां पहले सर्विस चलती थी और जो काफी महत्व का स्थान है क्या उसको आप वायुदूत से लिंक करेंगे ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : ये पन्त जी के पीछे बैठे हुए हैं इसलिए शायद पन्तनगर की बात इन्होंने की ।

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त : समय बचाने के लिए इन्होंने पूछा इसी लिए मैं ने नहीं पूछा ।

श्री सभापति : इन को देख कर थोड़े ही सवाल किया है ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति महोदय, हमारे दोस्त मनुभाई ने जो प्रश्न किया है उसके आखिरी हिस्से को मैं सबसे पहले लेना चाहता हूं । उनको मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि पन्तनगर हमारी लिस्ट में है और बहुत जल्दी—लुधियाना हमने शुरू किया है . . .

MR. CHAIRMAN: Last but one, रायबरेली के पहले पन्तनगर का नाम है, मुझे याद है ।

SHRI A. P. SHARMA: Yes, Sir. यू० पी० में चार जगह हम लोगों की लिस्ट में हैं फर्स्ट फेज में—पन्तनगर, देहरादून, रायबरेली, गाजीपुर ।

जहां मनुभाई ने कहा कि प्राइवेट कम्पनी को हम यह सेवा दे सकते हैं या नहीं दे सकते हैं उसका उत्तर मेरा है नहीं, हम किसी प्राइवेट कम्पनी को अभी देना नहीं चाहते हैं ।

इन्होंने सूरत की बात की । हम ने कन्सल्टेटिव कमेटी की मीटिंग में भी इन को बताया था कि सूरत हम लोगों के विचाराधीन है । उस के अलावा और चार गुजरात में हैं—अमरेली, मीठापुर, सूरत और कांडला । अभी हाल में गुजरात के वित्त मंत्री हमारे पास आये थे, हमारी बातचीत हुई है, हमने उनसे रिक्वेस्ट किया है कि हमारे पास पैसा इतना नहीं है, अगर वह रनवे बना दें तो हम सेवा जल्दी से जल्दी शुरू करेंगे । यह बातचीत चल रही है । इस लिए जहां भी सम्भव हो सकता है और जिन जगहों में हम जा सकते हैं हम बहुत उत्सुक हैं वहां पर जाने के लिए और मनुभाई को मैं बतलाना चाहता हूं कि गुजरात को हम ने कभी नजरन्दाज नहीं किया है ।

श्री रामेश्वर सिंह : क्या इसमें अमेठी को भी शामिल करेंगे ।

श्री मनुभाई पटेल : . . . 90 परसेंट देंगे ।

श्री रामेश्वर सिंह : सभापति जी, अमेठी इस में शामिल होगी ?

श्री सभापति : इस क्वेश्चन को मैं खत्म करता हूं ।

श्री रामेश्वर सिंह : रायबरेली शामिल हो गयी, अमेठी शामिल होगी या नहीं ?

श्री सभापति : आप चुप रहिए (व्यवधान) इस क्वेश्चन को खत्म कर के मैं आगे बढ़ जाऊंगा । आप लोग खाली शहर

का नाम लेते जाइये, अकोला, उज्जैन . . . बस उस का जवाब आता जायेगा ।

श्री जगन्नाथ राव जोशी : सभापति महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि कर्नाटक के हुबली में 5 करोड़ रुपया लगेगा । मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि दस साल पहले जब सरोजिनी महिषी मंत्री थीं उस समय कारपोरेशन ने जगह दी, काम चालू हो गया था, लेकिन बीच में रहस्यमय ढंग से सारा सामान उठा लिया और वहां की जनता को बहुत धक्का लगा । हम यह जानना चाहते हैं कि हुबली के साथ ऐसा सौतेला व्यवहार क्यों किया गया ? आज जब आप वायुदूत सर्विस शुरू करते जा रहे हैं तो क्या आप प्राथमिकता दे कर वहां के काम को शुरू करेंगे ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति महोदय, वहां के लोगों को जो धक्का पहुंचा है वह किसी और कारण से पहुंचा होगा । हम तो उन को खुश करने के लिए जल्दी से जल्दी सेवा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं ।

श्री जगन्नाथ राव जोशी : कारपोरेशन ने जगह दी, सर्वे हो गया था, काम चालू हो गया था ।

श्री सभापति : रेड्डी साहब, आप का शहर कौन सा होगा ?

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : पूरा देश मेरा है, हिन्दुस्तान के सारे शहर मेरे हैं । मंत्री महोदय ने अभी देश के कुछ इम्पोर्टेन्ट शहरों के नाम बताए जहां वायुदूत विमान सेवा चालू करना चाहते हैं । मैं मंत्री महोदय से यह कहूंगा कि जो प्रियोरिटीज उनको देनी चाहिए वह उस लिस्ट में नहीं है । उनको चाहिये था कि देश के अंदर जो ऐसे मुकामात हैं दूर-दूर के इलाके हैं, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश . . .

श्री सभापति : आप उनको काम करना सिखा रहे हैं या सवाल पूछ रहे हैं ?

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : मैं सवाल ही पूछ रहा हूं । ऐसे बहुत से इलाके हैं, जैसे आन्ध्र प्रदेश में अदिलाबाद और महबूब नगर हैं. ये बहुत पिछड़े इलाके हैं । वहां पहुंचने के लिये आसान जरिए नहीं हैं । सारे देश में जो ऐसे पिछड़े इलाके हैं जहां प्रियोरिटी देने की जरूरत है, उनको इन्होंने लिस्ट में नहीं रखा है । मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या उन इलाकों को जिनको प्रियोरिटी देने की जरूरत है उनको आप जल्दी से जल्द अपनी लिस्ट में शामिल करेंगे या नहीं ? इसी से संबंधित मैं दूसरी चीज यह पूछना चाहता हूं कि कालीकट में हवाई अड्डा तैयार करने के लिये सारा सामान ला दिया गया था । मैं जब कालीकट गया था तो उन्होंने मुझे एक रिप्रेजेनटेशन दिया था, लम्बा चौड़ा रिप्रजेनटेशन था । मंत्री महोदय को भी उसकी एक कापी इससे पूर्व ही भेज दी गई थी । उन्होंने उसमें बताया कि सारा माल खराब होता जा रहा है बारिश में और धूप में । उसको पूरे तरीके से काम में नहीं लाया जा रहा है । वह अधूरा पड़ा हुआ है । ऐसी चीजें जो अधूरी पड़ी हुई हैं और जिनको प्रियोरिटी देनी चाहिये उनको प्रियोरिटी देंगे या नहीं देंगे ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति महोदय, हमारे दोस्त ने इस बात की तरफ गौर नहीं फर्माया है कि अगर हम प्रियोरिटी नहीं देते तो सबसे पहले हम नार्थ-ईस्ट रीजन में इस सेवा को आरम्भ नहीं करते । हमने शुरुआत नार्थ-ईस्ट रीजन से की है जहां कोई दूसरा साधन नहीं है एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिये । वहां वक्त भी लगता है और पैसा भी बहुत खर्च होता है । इसलिये हमने इस सेवा को नार्थ-ईस्ट रीजन से आरम्भ किया है । अगर आप आन्ध्र प्रदेश

की बात जानना चाहते हैं तो आन्ध्र प्रदेश में भी हमने कई जगह ये सेवा शुरू की है। अगर यह चाहते हैं कि पूरा आन्ध्र प्रदेश कवर कर लें तो उसके लिये भी हम तैयार होंगे लेकिन सवाल यह है कि रनवे अगर नहीं है तो हम कोई पेट में तो उतार नहीं सकते, रनवे बनाने पड़ेंगे। जितनी जगहों पर करने की बात है वहां रनवे बनायेंगे। यह सेवा कोई बंद नहीं होने वाली है बल्कि आगे बढ़ने वाली है। इन्होंने कालीकट के संबंध में प्रश्न उठाया। वह प्रश्न इस प्रश्न से नहीं उठता। लेकिन मैं उनको बतलाना चाहता हूं कि जो मौजूदा गवर्नमेंट है यह बिल्कुल उत्सुक है जल्दी से जल्दी पूरा करने के लिये। कालीकट का जो प्रोजेक्ट है बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है। उसमें 14 करोड़ से ज्यादा रुपये खर्च होने वाले हैं। इसके सारे पेपर तैयार हैं और सरकार की केबिनेट के विचाराधीन है। मैं आशा करता हूं कि जल्दी से जल्दी महीनों, बरसों की बात रही, हफ्तों की भी बात नहीं , चंद रोजों के अंदर केबिनेट के अंदर यह प्रोजेक्ट क्लीयर हो जाएगा। उसके बाद कालीकट में काम आरम्भ करेंगे।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल : मैं प्रश्न 'ग' के बारे में पूछना चाहता हूं। इसमें पूछा गया है कि 1982-83 में किन-किन नगरों में वायुदूत की सेवाएं प्राप्त हो जायेंगी। मध्य प्रदेश सबसे पिछड़ा हुआ प्रदेश और सबसे बड़ा प्रांत है। हिन्दुस्तान में इतना बड़ा कोई प्रांत नहीं है। मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या मंत्री महोदय 1982-83 में मध्य प्रदेश के बिलासपुर, अम्बिकापुर, रायगढ़ और जगदलपुर जो दूरस्थ स्थान हैं वहां यह वायुदूत विमान सेवा आरम्भ करने का विचार रखते हैं।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : सभापति महोदय, दो जगह बतलाई गई हैं मध्य प्रदेश में। ये दोनों जगहें हमारे सामने हैं। वहां हम सेवा आरम्भ करने वाले हैं। लेकिन यह सब फेजिंग में होगा। जो जगह हमने चुनी हैं हम चाहते हैं कि वह मार्च में कर देंगे लेकिन हो सकता है मार्च के अंदर पूरा न हो सके तो अप्रैल में हो जाएगा।

श्री सभापति : मैं इसे खत्म करना चाहता हूं।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल : मैंने पूछा कि 82-83 में क्या यह शुरू हो जाएगा?

MR. CHAIRMAN: I think we will have to stop this question. Every city-is standing up. There is one thing which I want to say-. Mr. Sharma has not got Alladin's lamp. If he had an Alladin's lamp, he would put an airport everywhere.

SHRI V. GOPALSAMY; Let him hear the voice of Tamil Nadu also.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Half-an-Hour has been taken over one question. *(.Interruptions)*

MR. CHAIRMAN; Which is your City?

SHRI V. GOPALSAMY:I am demanding for Tuticorin.

SHRI B. V. ABDULLA KOYA: Those people who put questions very seldom should be given a chance.

MR. CHAIRMAN; You are one of the new ones. It is a very fair request. What is your city? Where do you want it?

SHRI B. V. ABDULLA KOYA: Calicut.

MR. CHAIRMAN: Calicut has been asked by so many.

SHRI B. V. ABDULLA KOYA: No, no, no. It is a new thing which I want to ask. Sir, the people of Calicut have been agitating for an aerodrome for the last thirty years, if

I am correct, and each and every Civil Aviation Minister used to give promises not only in Parliament but out. side also. Whenever they came to Calicut, they used to promise that an aerodrome was to be given within one or two years. Now he says that nearly fifteen crores of rupees are necessary for this aerodrome. If he delays it again for another two years, it might be twenty-five crores' of rupees. It might have started actually from five crores only. Last year when our Prime Minister came to Calicut, she said, "This is going to be a possibility and I can assure the Calicut people that we are giving it." You know, Sir, Calicut is connected with the Arabian Countries. *(Interruptions)* Therefore, I would like to say that instead of putting Calicut under Vayu-doot service, we want a regular aerodrome there. The land has already been handed over to the Government by the Kerala Government, a road has already been built and this is pending for so many years. Therefore, I would like to know when, instead of putting Calicut under the Vayudoot service, he is prepared to have a full-fledged aerodrome at Calicut.

MR. CHAIRMAN; Better service.

SHRI A. P. SHARMA: Sir, instead of nothing at Calicut if we are going to introduce some service, why should my friend object to it? That should not be objected to.

SHRI PATTIAM RAJAN; We want a full-fledged aerodrome.

SHRI B. V. ABDULLA KOYA: The demand is for a full-fledged aerodrome.

SHRI PATTIAM RAJAN: We are not satisfied with Vayudoot

SHRI B. V. ABDULLA KOYA: Already *dharna* and other things are going on there and if he wants to do it on the eve of elections, then he will have to meet the consequences.

SHRI PATTIAM RAJAN: We art not satisfied with Vayudoot.

SHRI B. V. ABDULLA KOYA: We are not satisfied with Vayudoot. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Order, order. Would you like to hear his reply or keep on asking?

SHRI B. V. ABDULLA KOYA: Why these promises?

SHRI A. P. SHARMA; Sir, it might have taken a longer time to fulfil this assurance. For that, of course, i can't say anything. But I want to assure the hon. Member that whatever assurance this Government has given is going to be true and correct and it is going to be implemented within a few days—I am not saying months and years. What more assurance can I give you?

MR. CHAIRMAN: When are you taking a plane to Calicut—within a few days?

SHRI A. P. SHARMA: The project of Calicut is going to be approved within a few days and then the construction work will start.

SHRI V. GOPALSAMY: Mr. Chairman, Sir, there is a long-pending demand from Tamil Nadu to connect Tuticorin by air service. When the hon. Minister visited Tuticorin during the first part of last year, he assured the press people that before the end of 1981 Tuticorin will be airlinked. But, Sir, again, on the floor of this House the hon. Minister gave a reply that there is no runway or airstrip there and, after repeated requests he gave an assurance that instructions will be given to start construction work for a runway. I would like to know from the hon. Minister whether such instructions have been given.

SHRI A. P. SHARMA: Sir, I find that the name of Tuticorin is there in one of the fifty selected or recommended places by the Gidwani Committee. It is a fact that there is no runway there. The land is there but we have to construct a new runway

there and then only this service can operate. I have told the hon. Member the this will be a new work and this is in the list of those stations where we want to operate.

SHRI V. GOPALSAMY: I wanted to know whether instruction-; have been given to start construction work for the runway.

(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: All States are over.

SHRI RAMESHWAR SINGH: Sir, Sir,.. . (Interruptions) ...

MR. CHAIRMAN: No, no. I have not allowed.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Every town in the country is involved. Next question, Sir.

श्री रामेश्वर सिंह: हम लोगों की तरफ भी देखिये। हम लोग भी सवाल उठाना चाहते हैं। हमें भी मौका मिलना चाहिए।

प्रो० सौरींन्द्र भट्टाचार्य: मिलेगा, मिलेगा।

MR. CHAIRMAN: Last question. After that we will take Question No. 222. Every time a question on air comes, every city in India, you want, to be connected by air.

PROF. SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: Mr. Chairman, Sir,' in-spite of Mr. Sharma's very close contact with West Bengal, perhaps that is a State which is altogether absent and deprived of the Vayudoot Service. Is the Minister aware that the Government of West Bengal made a proposal for the Vayudoot Service to two towns of West Bengal, Ccoch Behar and Belur Ghat, which used to be connected by air earlier? If so, when does he propose to initiate the Vayudoot Service for those two places which are very ill-connected with railways?

SHRI J. K. JAIN: Sir,...

MR. CHAIRMAN: No, Mr. Jain. We will pass on to the next question.

SHRI A. P. SHARMA: It is a fact that the West Bengal Government has approached us with the proposal which my hon. friend has mentioned. But even before the proposal of the West Bengal Government, these places have been considered. You see, the trouble is that there '.« no runway. We have to construct a runway, Sir.

MR. CHAIRMAN: They do not care.. You take a plane and land it there.

SHRI A. P. SHARMA: We have to make the runway first and then only the Service can operate.

PROF. SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: Have you taken the task on hand, initiated the work?

MR. CHAIRMAN: Everybody is trying to please his own city or constituency.

SHRI J. K. JAIN: Very unfair on your part, Sir.

MR. CHAIRMAN: I gave as many chances as possible so that the local sentiments may be brought here.

*222. [The Questioner (Shri *Dharam Chand Jain) was absent. For answer* vide Cols. 33 infra].

Customs clearance for import of drug intermediates under OGL

♦223. SHRIMATI HAMIDA HABIB-ULLAH:f

SHRI K. V. R. S. BALA SUBBA RAO:

Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the answer to Un-starred Question 2690 given in the

fThe question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Hamida Habibullah.